RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : सोमवार 10 जुलाई 2023 वर्ष 05 अंक 78 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 8 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

स्पीकर का नोटिस, उद्धव ठाकरे का रिएक्शन...

क्या महाराष्ट्र में वाकई खेला होने वाला है?

राहुल नार्वेकर ने दोनों गुट के विधायकों को दिया है नोटिस

मुंबई : महाराष्ट्र विधानसभा स्पीकर ने सीएम सहित 54 विधायकों को नोटिस दिया है, जिसके बाद उद्धव ठाकरे की प्रतिक्रिया सामने आई है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा है कि, 'सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्पष्ट है। विधानसभा अध्यक्ष को तय दायरे में ही निर्णय लेना चाहिए और अगर वे उस दायरे से बाहर फैसला लेते हैं, तो हम सुप्रीम कोर्ट से न्याय की मांग करेंगे।' विधानसभा स्पीकर ने शिंदे गुट के साथ ही उद्धव गुट के विधायकों को भी अयोग्यता मामले में नोटिस जारी किया है। स्पीकर की ओर से जिन 54 विधायकों को

नोटिस भेजा गया है, उसमें शिंदे गुट के 39, शिवसेना (यूबीटी) के 14 और एक अन्य विधायक का नाम शामिल है। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने अयोग्यता मामले में 54 विधायकों को नोटिस जारी करते हुए हफ्ते भर का समय दिया है। स्पीकर की ओर से कहा गया कि अगर विधायक इस समय सीमा के भीतर जवाब नहीं देते हैं तो मुझे कड़ा फैसला लेने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। बीते कुछ समय पहले ही विधानसभा स्पीकर राहुल नार्वेकर ने इस बारे में इशारा भी किया था। राजभवन में उत्पाद शुल्क मंत्री शंभुराज देसाई के पिता और अनुभवी कांग्रेस नेता बालासाहेब देसाई पर एक पुस्तक विमोचन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

इस आधार पर दिया गया नोटिस

सुनील प्रभु ने 21 जून, 2022 को एक व्हिप जारी किया था। मौजूदा सरकार में मंत्री एकनाथ शिंदे समेत सभी शिवसेना विधायकों को उद्धव ठाकरे की बुलाई बैठक में मौजूद रहने का निर्देश दिया गया। इसे दरकिनार पाए जाने पर प्रभु ने शिंदे और 15 अन्य के खिलाफत पर कहा कि उन्होंने व्हिप का पालन नहीं किया, जो कि संविधान की 10वीं अनुसूची का उल्लंघन है। इसी आधार पर 23 विधायकों को अयोग्यता का एक और नोटिस दिया गया। इस दौरान यह कार्यवाही अध्यक्ष के समक्ष लंबित थी, इसके बावजूद शिंदे गुट ने 14 शिवसेना (यूबीटी) विधायकों के खिलाफ कार्यवाही शुरू कर दी। फिर भी विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर की ओर से कोई फैसला न आने पर प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

'पुराने मंत्रियों को कैबिनेट से हटाकर उनको बनाया जाए मंत्री', शिंदे गुट के विधायकों का अल्टीमेटम

महाराष्ट्र में बदले सियासी समीकरणों के बीच कैबिनेट विस्तार को लेकर घमासान मच गया है। इस घमासान में शिंदे गुट के विधायकों को सबसे ज्यादा चिंता हो रही है। अनुमान के मुताबिक, महाराष्ट्र में कैबिनेट विस्तार अगले कुछ दिनों के भीतर होना है। ऐसे में एनसीपी से आए नेताओं को मंत्री बनाने के बाद अब उनको विभाग भी दिया जाना है। सूत्रों के मुताबिक, शिंदे गुट के विधायकों ने शनिवार की देर रात को अहम बैठक कर अभी पार्टी को यह तक अल्टीमेटम दे या कि अगर उनके विधायकों को मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री की जगह नहीं मिलती है तो पिछले एक साल से उनकी पार्टी के बने मंत्रियों को हटाकर नए विधायकों को मंत्री बनाया जाए। शिंदे गुट की ओर से आए इस अल्टीमेटम से अब पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में मंथन का दौर जारी है।

नेशनल हाईवे-48 पर गड्ढों की भरमार,

जाम से लोग झेल रहे परेशानी

भिवंडी : सीएम एकनाथ शिंदे के आदेश के बाद भी मुंबई-नासिक हाईवे पर गड्ढों की मरम्मत नहीं किए जाने का खामियाजा वाहन चालकों को भोगना पड़ रहा है। नेशनल हाईवे क्रमांक-48 पर हुए जगह-जगह गड्ढों की वजह से वाहन रेंग कर चलने की मजबूरी झेल रहे हैं, जिससे भिवंडी-राजनोली नाका से ठाणे-माजीवाडा तक भारी जाम लग रहा है। भिवंडी से ठाणे की मात्र 18 किलोमीटर की दूरी को तय करने में वाहन चालकों को करीब तीन घंटे लग रहे हैं। गौरतलब है कि मुंबई-नासिक हाईवे क्रमांक-48 करीब 15 दिनों से शुरू भारी बरसात की वजह से पूर्णतया गड्ढों में तब्दील हो गया है। ठाणे-मजीवाडा से भिवंडी-राजनौली नाका तक सड़क के दोनों तरफ बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। वाहन चालकों को जानलेवा गड्ढे से गुजर कर रास्ता तय करना पड़ रहा है। जगह-जगह हुए गड्ढे की वजह से वाहन चालक रेंग-रेंग कर मिनटों की दूरी घंटों में तय कर रहे हैं। नेशनल हाईवे पर लगने वाले भारी जाम की वजह से अत्यावश्यक सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं।

शुगर के मरीज झेल रहे कठिनाई

हाईवे पर लगने वाले यातायात जाम की वजह से ठाणे से भिवंडी करीब तीन घंटे में पहुंचने के दौरान शुगर पीड़ित पुरुष, महिलाओं को शौच की भारी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। भारी जाम के कारण समय से घर नहीं पहुंचने की वजह से शुगर के मरीज हाईवे पर कहीं शौचालय नहीं होने से परेशानी झेल रहे हैं। ठाणे से भिवंडी यात्रा करने वाली शुगर पीड़ित महिलाओं को तो पेट पकड़कर यात्रा करनी पड़ रही हैं। वाहन चालकों का आरोप है कि नेशनल हाईवे के किनारे शौचालय निर्माण की मांग यात्री वर्षों से कर रहे हैं, लेकिन नेशनल हाइवे अथॉरिटी कोई ध्यान नहीं होने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा हैं।

कल्याण के एपीएमसी मार्केट का बुरा हाल, व्यापारी बेहाल...

कल्याण : मानसून के आते ही कल्याण पश्चिम के बैल बाजार परिसर में स्थित कृषि उत्पन्न बाजार समिति मार्केट की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। एक तरफ जहां इससे व्यापारी परेशान हैं, वहीं बाजार में आने वाले किसानों, वाहन चालकों और फुटकर विक्रेताओं को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं परिसर में बनाए गए कार्यालय के एसी कमरों में बैठकर अधिकारी आंखें बंद किए हुए हैं। अगर कोई व्यापारी इस विषय में शिकायत करता है तो उसे परेशान किया जाता है, जिससे कोई मुंह नहीं खोलता। व्यापारियों का आरोप है कि 2008 के बाद से अब तक खानापूर्ति के लिए सड़कों की मरम्मत होती रही है। कल्याण का एपीएमसी मार्केट एक विस्तृत व्यापारिक केंद्र है, जहां पर दूरदराज से किसान अपना सामान बेंचने के लिए आते हैं, वहीं दूर-दूर तक के फुटकर विक्रेता यहां से सामान ले जाकर दुकानों में बेचते हैं। बारिश के समय यहां की वर्तमान स्थिति ऐसी है कि बाजार के अंदर किसी भी जगह पर चलने लायक स्थिति नहीं है।

गटर जाम होने से बढ़ी समस्या

मार्केट के सभी गटर जाम हैं और खुले पड़े हुए हैं जिनमें फंसकर छोटे वाहन अक्सर पलट जाते हैं और दुपहिया वाहनों के चालक गिरने से चोटिल होते हैं। फल मार्केट पूरी तरह पानी से घिरा हुआ है। फल मार्केट से ही लगाकर शौचालय है, जहां पर पहुंचने के लिए घुटनों तक पानी में जाना पड़ता है। ऐसी स्थिति में व्यापारी और ग्राहक मार्केट से बाहर जाकर लघु शंका करने पर मजबूर हैं। फल मार्केट के 65 व्यापारी और इतने ही भाजी मार्केट के व्यापारी इस समस्या से जूझने को मजबूर हैं।

राज ठाकरे ने पत्र लिखकर फडणवीस को वफादार बताया था

महाराष्ट्र में सत्ता परिवर्तन के बाद, भाजपा और शिंदे गुट के नेताओं ने राज ठाकरे से अलग-अलग मौकों पर मुलाकात की। शिंदे और फडणवीस दोनों ने मनसे प्रमुख से अलग-अलग मुलाकात भी की थी। राज ठाकरे ने फडणवीस को एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने राज्य के उपमुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करके अपनी पार्टी के प्रति वफादारी और प्रतिबद्धता की मिसाल कायम करने के लिए उनकी सराहना की।

संपादकीय / लेख

बंगाल को बचाओ

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बंगाल के पंचायत चुनाव में मतदान के दिन जैसी भीषण हिंसा हुई, उससे न केवल यह राज्य, बल्कि देश भी शर्मसार हुआ। यह हिंसा लोकतंत्र को भी कलंकित करने वाली है। यह क्षोभ की बात है कि पंचायत चुनाव में व्यापक हिंसा की आशंका के बाद भी उसे रोका नहीं जा सका। राज्य चुनाव आयोग चाहे जो दावे करे, वह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में बुरी तरह नाकाम रहा। आज के भारत में यह अकल्पनीय है कि मत पत्र लूटे जाएं, जबरन मतदान कराया जाए, उपद्रवी तत्व मतपेटियां लेकर भाग जाएं और उन्हें तालाबों, नालों में फेंक दें या फिर आग के हवाले कर दें। बंगाल में केवल इतना ही नहीं हुआ, मतदान स्थलों में खुले आम बम एवं गोलियां चलीं और विरोधी दलों के कार्यकताओं तथा प्रत्याशियों पर प्राणघातक हमले भी किए गए। चुनावी हिंसा में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा कुछ भी बताया जाए, इस हिंसा में करीब एक दर्जन लोगों के मारे जाने का अंदेशा है। चूंकि चुनावी हिंसा में मरने वालों में सभी दलों के लोग हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि हिंसा का जवाब हिंसा से दिया जा रहा है। ऐसा तभी होता है, जब हिंसा राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाती है।

बंगाल में हर स्तर के चुनावों में जैसी हिंसा होती है, वैसी एक समय देश के अन्य हिस्सों में भी होती थी, लेकिन अब वह बीती बात बन गई है। इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि राजनीतिक अपसंस्कृति के कारण बंगाल चुनावी हिंसा के मामले में आज भी वहीं खड़ा है, जहां चार-पांच दशक पहले था। यह भी स्पष्ट है कि परिवर्तन के नारे के साथ बंगाल की सत्ता में आईं ममता बनर्जी ने राजनीतिक विरोधियों को कुचल देने वाले उन्हीं तौर-तरीकों को अपना लिया है, जो वाम दलों ने अपना रखे थे और जिनके कारण वे देश भर में लांछित हुए। शेष देश में तो चुनावी हिंसा पर विराम लग गई, लेकिन बंगाल अभी भी उससे अभिशप्त है। यह भूला नहीं जा सकता कि पिछले विधानसभा चुनाव के पहले और बाद में बंगाल में सत्तारूढ़ दल के लोगों ने किस तरह अपने उत्पात से विरोधियों को खौफजदा किया था। ममता सरकार पंचायत चुनाव में हुई भयावह हिंसा की जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। यह सत्तारूढ़ दल का ही दायित्व होता है कि वह हिंसा रोके। आश्चर्य और अफसोस की बात यह है कि केंद्रीय बलों की तैनाती के बाद भी बंगाल में जमकर हिंसा हुई। हैरानी नहीं कि ममता सरकार ने इन बलों का यथोचित उपयोग करने में आनाकानी की हो। जो भी हो, पंचायतों पर कब्जे की होड़ इसलिए भी रक्तरंजित हो रही है, क्योंकि ग्रामीण विकास के लिए उन्हें अच्छा-खासा धन मिलता है और यह किसी से छिपा नहीं कि विकास कार्यों के लिए आवंटित राशि का एक बड़ा हिस्सा किस तरह भ्रष्ट तत्वों की जेब में जाता है।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

झाड़ू नहीं ई स्वीपर मशीन से होगी सड़क की सफाई

मनपा खरीदेगी इलेक्ट्रिक स्वीपर मशीन...

मुंबई : मनपा प्रशासन सड़को की सफाई के लिए अधिक रूप से मशीन का उपयोग करने की ओर कदम उठा रही है। मनपा ने यह कदम पर्यावरण की समस्या से मुक्ति और लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव रोकने के लिए यह कदम उठा रही है। मनपा सड़कों की सफाई के लिए इलेक्ट्रिक स्वीपर मशीन खरीदेगी जो सड़कों की सफाई करेगी। इलेक्ट्रिक स्वीपर मशीन की खरीदी पर 52 करोड़ रुपया खर्च किया जाएगा। खरीदी गई इलेक्ट्रिक स्वीपर मशीन का उपयोग पूर्व उपनगर में और पश्चिम उपनगर में किया जाएगा। मनपा घन कचरा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लोग सड़कों पर सुबह शाम महिलाओं और पुरुषों को झाड़ू लगाते हुए देखते हैं। आने वाले वर्षों में यह काम इलेक्ट्रिक स्वीपर मशीन करती दिखाई देगी जिससे लोगो सफाई कर्मियों की सेहत को होने वाले नुकसान से बचा जा सकेगा । मुंबई में धीरे धीरे मनपा ई स्वीपर मशीन का इस्तेमाल बढ़ा रही है। मनपा जल्द ही मुंबई और पूर्व उपनगर के लिए 4 और पश्चिम उपनगर के लिए 5 आई स्वीपर मशीन खरीदेगी। शहर और उपनगर के लिए खरीदी जाने वाली मशीन पर 23 करोड़ रुपए खर्च होगा। वहीं पश्चिम उपनगर के लिए खरीदी जानेवाली 5 ई स्वीपर मशीन पर 29 करोड़ रुपए खर्च होंगे। मनपा घनकाचरा विभाग को यह मशीन खरीदने के लिए 15 वें वित्त आयोग ने राशि उपलब्ध कराई है। इलेक्ट्रिक वाहन के उपयोग से कार्बन गैस उत्सर्जन भी कम होगा। इससे एयर क्वालिटी में भी सुधार आएगा। सड़कों के धूल साफ करने वालों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। इस समस्या के समाधान के लिए मनपा आधुनिक आई स्वीपर मशीन के इस्तेमाल पर जोर दे रही है। ई स्वीपर मशीन आधुनिक तकनीक से लैस होगी। एक मशीन एक दिन में करीब 30 किमी लंबी सड़क की सफाई करेगी। इसमें सड़क के साथ फुटपाथ और जेब्रा सर्कल भी शामिल होगा। इस मशीन को उपलब्ध कराने वाले ठेकेदार को इसके परिचालन और देखभाल की जिम्मेदारी अगले चार साल तक उठानी होगी। बारिश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन आठ घंटा यह मशीन सफाई का काम करेगी। स्वीपिंग मशीन अति सूक्ष्म कणों को भी वैक्यूम के जरिए सड़क से उठा लेगी। मशीन की ध्वनि लगभग 80 डेसिबल है, जो इस स्तर की अन्य मशीनों से काफी कम है।

जो स्क्रिप्ट दिल्ली से मोदी और शाह ने लिखी...

अजीत पवार की वही भाषा - नाना पटोले

मुंबई : राज्य में तोड़फोड़ की राजनीति चल रही है और इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी का हाथ है। भाजपा से मिले लोग मोदी-शाह की भाषा बोल रहे हैं, जो स्क्रिप्ट दिल्ली से मोदी और शाह ने लिखी है। अजीत पवार की भाषा भी वही है, जो एकनाथ शिंदे ने शिवसेना छोड़ते समय इस्तेमाल की थी। यह कोई संयोग नहीं, बल्कि दिल्ली से मोदी-शाह द्वारा दी गई स्क्रिप्ट है। हालांकि, कुछ लोगों ने शिवसेना और एनसीपी छोड़ दी है लेकिन कांग्रेस को कोई नहीं छोड़ेगा, ऐसा सीधा आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने लगाया है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ लोग जान-बूझकर कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़ने की अफवाह पैष्ठला रहे हैं, लेकिन ऐसा कुछ भी नहीं होनेवाला है।

गद्दारों को सब, गद्दार नजर आते हैं...

नाना पटोले ने शिवसेना और भाजपा से गद्दारी करनेवालों पर तंज कसते हुए कहा कि गद्दारों को तो हर कोई गद्दार दिखता है, लेकिन कांग्रेस में कोई गद्दार नहीं है। शनिवार को तिलक भवन में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता के बल पर विपक्षी पार्टी को तोड़ रही है। चूंकि भाजपा विपक्षी दलों को नहीं चाहती है। इसलिए वह विपक्षी दल में फूट डालकर विपक्ष को खत्म करने की कोशिश कर रही है। लेकिन आम लोगों को भाजपा की यह राजनीति पसंद नहीं आ रही है। इसलिए तस्वीर यह है कि जो नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में गए हैं, उन क्षेत्रों में उन्हें लोगों का समर्थन नहीं मिल रहा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार ने प्रफुल्ल पटेल को हमेशा पार्टी में महत्वपूर्ण पद दिए। संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी।

स्वास्थ्य विभाग में मनोचिकित्सकों के 97 स्वीकृत पदों में से 81 पद खाली

मुंबई : महाराष्ट्र की अधिकांश जेलों में उनकी क्षमता से अधिक कैदी हैं। इसके चलते इनमें से कई कैदी विभिन्न बीमारियों का सामना कर रहे हैं। इस सबके बीच स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बहुत की चौंकानेवाली जानकारी दी है। उनके मुताबिक, प्रदेश की जेलों में मनोरोगियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। सूत्रों के मुताबिक, राज्य की सभी जेलों में इस वक्त करीब ढाई हजार मनोरोगी कैदी हैं। इसके साथ ही यह बात भी सामने आई है कि मनोरोगी कैदीयों के इलाज के लिए जरूरी दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि स्वास्थ्य विभाग में मनोचिकित्सकों के ९७ स्वीकृत पदों में से ८१ पद खाली हैं।

ज्ञात हो कि महाराष्ट्र में कुल ६० जेल हैं, जिसमें नौ सेंट्रल, ३१ जिला, १९ खुली और एक खुली महिला जेल शामिल है। इन सभी जेलों की कुल क्षमता २४,७२२ है। हालांकि, जनवरी २०२३ के अंत में इन जेलों में कुल ४१,०७५ कैदी थे। इसमें ३९,५०४ पुरुष, १,५५६ महिलाएं और १५ किन्नर वैष्ठदी शामिल हैं। राज्य की सभी जेलें खचाखच भरी हुई हैं, जिसमें मुख्य रूप से मुंबई, ठाणे, यरवदा और नागपुर सेंट्रल जेल शामिल हैं। विधानमंडल सत्र में कुछ विधायकों ने मुंबई जेल में क्षमता से ३२५ फीसदी, ठाणे जेल में २८८ फीसदी, यरवदा में १८० फीसदी और नागपुर जेल में ५६ फीसदी कैदियों के बंद होने का मुद्दा उठाया था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 10 जुलाई 2023

विक्रोली फलाई ओहर ब्रिज का दूसरी बार बढ़ा खर्च

37 करोड़ का ठेका 95 करोड़ पहुंचा...

मुंबई : पिछले दो तीन सालो से अटका विक्रोली पूर्व से पश्चिम को जोड़ने वाला फलाई ओहर ब्रिज का काम अभी पूरा होने में लगभग एक साल का और समय लगेगा।काम भले ही पूरा न हो लेकिन खर्च बढ़ता जा रहा है। फलाई ओहर के निर्माण पर होने वाला खर्च अब 95 करोड़ के पार चला गया है जबकि 2018 में मात्र 37 करोड़ का ठेका दिया गया था। विक्रोली रेलवे स्टेशन पर लेवल क्रॉसिंग नंबर 14सी पर रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। मार्च 2018 में इस काम का ठेका दे दिया गया था उस वक्त फ्लाईओवर का निर्माण 37 करोड़ में किया जाना था। दो साल में काम पूरा होने की उम्मीद थी. जो अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। फ्लाईओवर के निर्माण में अभी एक और साल का समय लगने की सम्भावना है।इसके पहले इस पुल के काम में तेजी लाने के लिए डिजाइन में बड़े बदलाव किया गया जिससे उस दौरान ठेके की लागत बढ़ाकर सीधे 71 करोड़ 86 लाख की गई। पहले संशोधन को स्थायी समिति ने मंजूरी दे दी थी. निर्माण प्रक्रिया में कठिनाइयों के कारण, सलाहकारों ने नई योजनाएँ तैयार कीं और उन्हें पुनः परीक्षण के लिए आईआईटी बॉम्बे को भेजा गया । इसके बाद आईआईटी ने कहा कि गर्डर की निचली प्लेट की मोटाई 25 मिमी से बढ़ाकर 36 मिमी कर दी जाए।इसके अलावा कई अन्य बदलावों का भी सुझाव दिया गया.. अब नए बदलाव के बाद खर्च में भी बढ़ोत्तरी हो गई।

अब पिछले खर्च में और 7 करोड़ 34 लाख की बढ़ोत्तरी हुई और कुल लगत 79 करोड़ 20 लाख हो गई है। इसके अलावा कंसल्टेंट की फीस और अन्य टैक्स मिलाकर फ्लाईओवर का निर्माण लागत 95 करोड़ हो गई है। बता दे कि अभी तक पुल का 40 प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। पिछले अनुबंध के अनुसार अक्टूबर 2020 तक काम पूरा होना था। पहले संशोधन के बाद इस काम के लिए मई 2023 तक की डेडलाइन दी गई थी. लेकिन वह समय सीमा भी बीत चुकी है. दूसरे संशोधन के बाद इस काम को पूरा करने की समय सीमा बढ़ाकर जून 2024 कर दी गई है. ऐसे में इस पुल का कॉन्ट्रैक्ट 51 महीने का हो गया है.

भाजपा को वॉशिंग पावडर बताते हुए आंदोलन शुरू किया

मुंबई : महाराष्ट्र की राजनीति में जिन नेताओं पर कुछ दिनों पहले भाजपा के लोग भ्रष्टाचार के आरोप लगाते थे। उन पर ईडी और सीबीआई के द्वारा जांच की मांग होती रही तो कुछ नेताओं के घर ईडी, सीबीआई ने छापे भी मारे, अब उन्हीं भ्रष्ट नेताओं को भाजपा में शामिल होने के बाद उन पर लगे सभी दाग धुल गए हैं, ऐसा आरोप लगाते हुए 'आप' पार्टी ने भाजपा को वॉशिंग पावडर बताते हुए आंदोलन शुरू किया है। शनिवार को अंधेरी के कई इलाकों में यह आंदोलन किया गया। आंदोलनकारियों को पुलिस ने सुबह ही घर से हिरासत में ले लिया था।

'आप' पार्टी के वसोर्वा और अंधेरी-पूर्व के तमाम कार्यकर्ता इस रैली में शामिल हुए थे। लगभग २०० मोटरसायकल और पोस्टर बैनर के साथ कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारे लगा रहे थे। सात बंगला से शुरू हुए इस मोर्चे को क्षेत्र में अलग-अलग जगह से होकर लोखंडवाला में समाप्त किया गया। इस बारे में संजय बेड़िया गिरगांवकर ने बताया कि कितना भी भ्रष्टाचार कर लें, भले ही आप पर ईडी, सीबीआई की जांच शुरू हो, लेकिन यदि आप भाजपा में जाते हैं तो आपके सारे दाग धुल जाते हैं। हमने भाजपा की इस गंदी राजनीति के खिलाफ आंदोलन किया।

पहले बनाया था वीडियो, बीस दिन बाद आत्महत्या

पत्नी ने दर्ज कार्रवाई एफआईआर...

मुंबई : सहार पुलिस ने आत्महत्या के मामले मे चार लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने को लेकर एफआईआर दर्ज किया है। पीड़ित का भाई मोबाइल चेक कर रहा था, तभी उसे मोबाइल में एक वीडियो मिला। जिसमे वह आत्महत्या के लिए चार लोगों जिम्मेदार ठहरा रहा था। वह वीडियो 4 जून को बनाया गया था। सुसाइड नोट वीडियो में, पीड़ित ने चारों आरोपियों पर उसे जबरन मेफेड्रोन ड्रग्स देने और पोक्सो मामले में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। जिसके बाद उसकी पत्नी सहार पुलिस थाने में पहुंची और आरोपियो के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया। सहार पुलिस मामले की अधिक जांच करने में जुटी हुई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक 24 जून की रात करीब दस बजे के लगभग सादिक शेख ने आत्महत्या कर लिया था। जिसके बाद 25 जून को अंतिम संस्कार के बाद सभी लोग घर में बैठे थे। तभी सादिक का मोबाइल लेकर उनके बड़े भाई बैठे और 4 जून को मोबाइल में रेकॉर्ड किया हुआ एक वीडियो दिखा। जिसमें शेख ने आरोप लगाया था कि चार लोगो उसे जबरन मेफेड्रोन ड्रग्स देने और पोक्सो के मामले में फंसाने की धमकी देने दी थी। दो दिन पहले शेख के पेट में चोट थी, जिसमें पता चलता है कि उस पर हमला करने के लिए किसी धारदार हथियार का इस्तेमाल किया गया था। सायरा ने कहा कि उन्हें अस्पताल जाना चाहिए, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया और उनसे कहा कि वे पहले अमोल कदम के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए पुलिस स्टेशन जाएंगे।

नौकरी से घर लौटने पर मिली आत्महत्या की जानकारी

घटनावाले दिन शेख की पत्न ी सायरा नौकरी करती जी जिस सिलसिले में वह नौकरी करने गए थी। लेकिन व्हां से लौटकर जब वह अपनी ननद के पान की दुकान पर आई तब तक पता चला कि सादिक ने आत्महत्या कर ली है। इसके बाद मौके पर पुलिस को बुलाया गया। पुलिस शेख को लेकर कूपर अस्पताल गई। जहां उसे भर्ती करने से पहले ही मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। 25 को अंतिम संस्कार के बाद घरवालों को वीडियो मिला।

ज्यादा टेंडर मिलने से नाराज होकर प्रतिद्वंदी की पिटाई...

आर्म्ड फोर्स में मेडिकल औषधियों का लेता था टेंडर

मुंबई : ओशिवारा पुलिस ने गुरप्रीत उर्फ सोनू कोहली की शिकायत पर बिजनेस में होनेवाले ज्यादा फायदे से नाराज होकर सुपारी देकर पिटवाने के मामले में एफआयआर दर्ज किया है। शिकायत के मुताबिक उनकी कार के दरवाजे को एक कार ने टक्कर मारी इसके बाद उनपर हमला भी किया। इस शिकायत को लेकर वे ओशिवारा पुलिस थाने में गए। जहां जांच के दौरान शिकायतकर्ता को शक हुआ कि उनके ही बिजनेस से जुड़े दूसरे पार्टनर ने यह सब जान बूझकर करवाया है। जिसके बाद मामले में एफकाईआर दर्ज की गई। घटना लोखंडवाला बैक रोड़ की है। जब सेंट्रो कार ने उनकी कार के दरवाजे को जोरदार टक्कर मारी और ओवरटेक कर गाड़ी रुकाकर ड्राइवर से मारपीट भी की। मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक आर्म्ड फोर्स में लगानेवाली दवाइयों का मुख्यालय दिल्ली में है। दो लोगों को इसका टेंडर मिलता है जिसमें एक टेंडर शिकायतकर्ता गुरप्रीत सिंह उर्फ सोनू कोहली और दूसरा मोहन गौड़ा के नाम से निकलता था। लेकिन कोहली को ज्यादा टेंडर मिलता था। इसीसे नाराज होकर गौड़ा ने पूरा षड्यंत्र रचकर उसे जान से मारने की कोशिश की होगी। ऐसी एक लिखित शिकायत कोहली ने दी थी। जांच के बाद मामले में एफआईआर दर्ज किया गया है। अधिक जांच ओशिवारा पुलिस द्वारा की जा रही है।

पुलिस को दिए गए बयान में कोहली ने कहा कि इसे साधक है कि उसके बिजनेस में जो फायदा हो रहा है, उससे परेशान होकर गौड़ा ने इन लोगों को बोलकर कोहली को नुकसान पहुंचाने के लिए कहा। इसीके बाद पुलिस ने जांच शुरू की और फिर मामले में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 120 (ब), 308, 323, 325, 341, 504, 427 और 34 के तहत एफआईआर दर्ज किया गया है।

8 जून की सुबह कोहली अपनी कार से लोखंडवाला बैक रोड़ से दफ्तर जा रहे थे। तभी बगल में से तेजी से एक सेंट्रो कर आई। सेंट्रो कार ने शिकायतकर्ता के गाड़ी के दरवाजे को जोर से टक्कर मारी, इसके बाद गाड़ी शिकायतकर्ता के कार के आगे रुका कर उनसे मारपीट भी की।

शिंदे गुट के विधायकों के कैबिनेट मंत्री बनने की राह में रोड़ा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में पिछले हफ्ते एनसीपी के अजीत पवार सरकार में शामिल हो गए। उनको मिलाकर नौ विधायकों ने मंत्रिमंडल में शामिल होकर मंत्री पद की शपथ भी ले ली। एनसीपी के विधायकों के मंत्रिमंडल में शामिल होने से अब होने वाला नया मंत्रिमंडल विस्तार फंस गया है। दरअसल, शिंदे फडणवीस सरकार में आठ विधायकों के शपथ लेने के साथ कैबिनेट मंत्रियों का कोटा पूरा हो गया है। सूत्रों के मुताबिक, इसी पूरे हुए कोटे को लेकर शिंदे गुट के विधायकों में जबरदस्त नाराजगी है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इसको लेकर शनिवार की रात को और रविवार सुबह पार्टी के प्रमुख नेताओं की एक बैठक हुई है। इस बैठक में चर्चा इस बात की हुई कि जब तक मंत्रिमंडल का विस्तार ना हो तब तक एनसीपी से आए विधायक, जो मंत्री बन गए हैं उनको विभागों का आवंटन ना किया जाए। इसके पीछे उनका तर्क है कि अगर एनसीपी के आए विधायकों को मंत्रिमंडल में विभाग का बटवारा हो जाता है तो अहम विभाग एनसीपी के खाते में जा सकते हैं।

भरोसा कैबिनेट मंत्री का मिला था, अब राज्यमंत्री पर हो रहा समझौता

उद्धव ठाकरे की शिवसेना से टूट कर आए एकनाथ शिंदे कि शिवसेना के विधायकों में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही बैठकों में इस बात का जिक्र सबसे ज्यादा किया जा रहा है कि उनके साथ आए विधायक जो कि पुरानी सरकार में मंत्री भी थे उनको दोबारा मंत्रिमंडल में जगह मिलने के रास्ते बंद होते जा रहे हैं। एकनाथ शिंदे गुट से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते

हैं कि यह चिंता की बात तो है ही। क्योंकि उनको शिंदे फडणवीस सरकार में मंत्री बनाए जाने के लिए कहा गया था। लेकिन अब एनसीपी के आठ विधायकों को मंत्री बनाकर कैबिनेट मंत्री का कोटा पूरा किया जा रहा है। ऐसे में उनकी पार्टी के विधायकों के पास मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान अब राज्य मंत्री बनने के सिवा दूसरा कोई रास्ता नहीं नजर आ रहा है। पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस बात को लेकर मंथन भी हो रहा है और विधायकों में नाराजगी भी है कि वह राज्यमंत्री क्यों बनेंगे जब वह पुरानी सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे और उनको कैबिनेट मंत्री बनने का भरोसा भी दिलाया गया था।

एक साल से कैबिनेट मंत्री बने नेताओं को हटाया जाए

पार्टी से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे गुट के विधायकों की बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि अगर अब शिंदे गुट से कैबिनेट मंत्री बनाने का कोटा खत्म हो गया है तो उनके साथ आए एक साल से बने कैबिनेट मंत्रियों को हटाकर नए विधायकों को कैबिनेट मंत्री बनाया जाए। सूत्रों के मुताबिक इस बात की चर्चा जरूर हुई लेकिन यह मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए बड़ा कठिन और चुनौतीपूर्ण फैसला हो सकता है। इसके पीछे उनका तर्क है कि जो मंत्री उनके कोटे से कैबिनेट में शामिल है उनको हटाया जाना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि वह पार्टी के मजबूत नेताओं में और बड़े जनाधार वाले नेताओं में शुमार किए जाते हैं। ऐसे में विधायकों का यह अल्टीमेटम कि पुराने मंत्रियों को हटाकर नए विधायकों को कैबिनेट मंत्री ज्वाइन कराया जाए न सिर्फ शिंदे के लिए मुसीबत बढ़ाने वाली नाराजगी है, बल्कि आने वाले चुनावों में भी इससे बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। विधायकों के इस आक्रामक रवैया पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनको भरोसा दिलाया है कि कैबिनेट विस्तार में उनके कोटे के विधायकों को राज्यमंत्री के साथ स्वतंत्र प्रभार का पद दिया जाएगा। हालांकि इस मामले में अभी भी पेंच फंसा हुआ है।शिंदे गुट के साथ आए निर्दलीय विधायकों ने भी अब मोर्चा खोलना शुरू कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, शिंदे गुट के साथ हुई बैठक में निर्दलीय विधायक बच्चू कुडू और आशीष जैसल ने तो यह तक कह दिया कि अगर उनको मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलती है तो वह और उनके साथी विधायक आगे के लिए अपने नए रास्ते भी चुन सकते हैं। राजनीति के विश्लेषकों का कहना है कि महाराष्ट्र में मची सियासी उथल-पुथल के बीच शिंदे गुट के विधायको और कैबिनेट में जगह की उम्मीद लगाए बैठे नेताओं ने विरोध करना तो शुरू ही कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषक तरुण पाटिल कहते हैं कि इस वक्त सबसे सियासी गर्माहट शिंदे खेमे में ही देखी जा रही है। वो कहते हैं कि एक तो पार्टी के विधायकों में कई स्तर पर नाराजगी देखी जा रही है।

मुंबई के बांद्रा में समुद्र में महिला डूबी, तलाशी अभियान जारी...

मुंबई : बांद्रा इलाके में स्थित बैंड स्टैंड चौपाटी पर घूमने आई एक महिला अचानक समुद्र में डूब गई। जानकारी मिलते ही मुंबई नगर निगम की गश्ती टीम और फायर ब्रिगेड के जवान महिला की तलाश कर रही है। रविवार को बांद्रा स्थित बैंड स्टैंड चौपाटी पर भारी संख्या में पर्यटक आए थे। इनमें से ज्योति सोनार (27) नामक महिला अचानक समुद्र में डूबने लगी। महिला के साथ गए लोगों ने इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर मुंबई नगर निगम के लाइफ गार्ड और फायर ब्रिगेड के जवान पहुंचे और तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। रात हो जाने से तलाशी अभियान में अड़चन आ रही है। खबर लिखे जाने तक महिला का पता नहीं चल सका है।

'मैं ओबीसी हूं इसलिए...', छगन भुजबल ने शरद पवार पर बोला हमला, कई बड़े खुलासे करने की चेतावनी

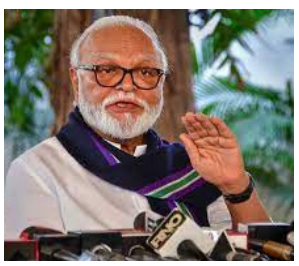

मुंबई : एनसीपी में जारी घमासान के बीच अब छगन भुजबल का बड़ा बयान सामने आया है. कल शरद पवार ने नासिक में रैली की थी. इसी को लेकर भुजबल का बड़ा बयान सामने आया है. भुजबल ने शरद पवार पर सीधा हमला बोलते हुए कहा, 'मैं ओबीसी हूं इसलिए शरद पवार ने सबसे पहले मेरे चुनाव क्षेत्र में रैली की.ह्न क्यों एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार के इलाके में नहीं गए. भुजबल ने एनसीपी अध्यक्ष को चेतावनी देते हुए कहा, वे जल्द ही कई बड़े खुलासे करेंगे. वे नासिक में पत्रकारों से बात कर रहे थे जब उन्होंने ये बातें कही.

छगन भुजबल ने शरद पवार को दिया जवाब

एनसीपी नेता अजित पवार की बगावत के बाद एनसीपी में दो फाड़ हो गई है. इसके बाद अजित पवार गुट शरद पवार गुट के खिलाफ आमने-सामने आ गया है. इस बीच शरद पवार ने पार्टी निर्माण के लिए राज्य का दौरा शुरू कर दिया है. इस पृष्ठभूमि में शरद पवार ने छगन भुजबल के गढ़ येवला में बैठक की थी. कल की बैठक में शरद पवार ने छगन भुजबल की आलोचना की थी. आज भुजबल ने इसका पूरा जवाब दे दिया है. एनसीपी में बगावत पर बात करते हुए भुजबल ने पवार को इस बात पर विचार करने की सलाह दी है कि ऐसा क्यों हुआ. बता दें, महाराष्ट्र में अजित पवार ने एनसीपी से बगावत करके एक अलग गुट बना लिया है और NDA का दामन थाम लिया है.

ना टायर्ड हूं ना रिटायर्ड -शरद पवार

सेहत अच्छी हो तो उम्र आड़े नहीं आती

मुंबई : एनसीपी में हुई बगावत के बाद शरद पवार ने राज्यभर के दौरे करने का ऐलान किया था। शनिवार को वे छगन भुजबल के विधानसभा क्षेत्र येवला पहुंचे। यहां पत्रकारों ने जब उनसे अजित पवार की उम्र संबंधी टिप्पणी पर सवाल किया तो उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के शब्दों को दोहराते हुए कहा, ''न टायर्ड हूं, न रिटायर्ड हूं। अगर सेहत अच्छी हो तो अच्छे काम करने में उम्र आड़े नहीं आती। राकांपा में हुए बगावत के बाद अजित पवार ने कहा कि 83 साल की आयु में शरद पवार को रिटायर हो जाना चाहिए।

वहीं एक न्यूज चैनल से बात करते हुए सीनियर पवार ने कहा कि क्या आप जानते हैं कि मोरारजी देसाई किस उम्र में प्रधानमंत्री बने थे? मैं प्रधानमंत्री या मंत्री नहीं बनना चाहता, केवल लोगों की सेवा करना चाहता हूं। शरद पवार ने कहा कि वह अभी बूढ़े नहीं हुए हैं। उन्होंने सवाल किया कि वे कौन

होते हैं मुझे सेवानिवृत्त होने की सलाह देने वाले। मैं अब भी काम कर सकता हूं। अजित पवार ने कहा था कि राकांपा में उन्हें दरकिनार कर दिया गया था, क्योंकि वह किसी के (शरद पवार) बेटे नहीं थे। परिवार में उत्तराधिकारी की लड़ाई पर एक सवाल पूछे जाने पर राकांपा अध्यक्ष ने कहा, ''मैं इस विषय पर ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता। मैं परिवार के बाहर परिवार के मुद्दों पर चर्चा करना पसंद नहीं करता। उन्होंने कहा कि अजित को मंत्री और उपमुख्यमंत्री बनाया गया था, लेकिन उनकी बेटी सुप्रिया सुले को कोई मंत्री पद नहीं दिया गया था, जबकि ऐसा किया जा सकता था। शरद पवार ने कहा कि जब भी राकांपा को केंद्र में मंत्री पद मिला, तो यह दूसरों को दिया गया, न कि सुप्रिया को, जबकि वह सांसद रही हैं। शनिवार को शरद पवार नासिक के येवला पहुंचे। येवला को मंत्री छगन भुजबल का गढ़ माना जाता है। पत्रकारों से बातचीत में कहा कि आजादी के इतिहास में नासिक का विशेष महत्व है, यहां कांग्रेस का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ था। यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री बने। ऐसे में मैंने नासिक से अपने दौरे की शुरूआत की। पवार ने कहा सड़क मार्ग से नासिक आते समय लोगों के चेहरे और उनके हाव-भाव देखने के बाद मुझे अधिक आत्मविश्वास महसूस हुआ।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : सोमवार 10 जुलाई 2023

स्पा पार्लर में प्रीमियम सर्विस देने के नाम पर लूटपाट

मुंबई : वकोला पुलिस ने प्रीमियम स्पा सर्विस देने के नाम पर लॉज में बुलाकर कनपटि पर पिस्तौल रखकर लूटपाट की घटना को अंजाम देनेवाले आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में से एक पहले स्पा पार्लर में काम करता था। उंसके पास ग्राहकों के नंबर थे, वह स्पा पार्लर बैंड होने के बाद वह बेरोजगार हो गया था। अब पैसे कमाने के लिए उसने लूटपाट की योजना बनानी शुरू की। पुलिस को शुक्रवार सुबह गिरोह के कार्यरत होने के बारे में शिकायत मिली थी। जिसमें शिकायतकर्ता व्यक्ति से 95,000 रुपये की उगाही की गई थी। पुलिस ने नीलेश सरोज (24), विशाल सिंह (20),

आदित्य सरोज (19), सुरेश सरोज (21), कुलदीप सिंह (28), सुरेश विश्वकर्मा (46) और सपोनकुमार सीट (38) को गिरफ्तार किया है। इन्हें गिरफ्तार करने के लिए होटल परिसर मेम छापेमारी की गई।

आरोपी करता था स्पा पार्लर में काम

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नीलेश एक स्पा में काम करता था, जो कुछ साल पहले बंद हो गया। उसके बाद वह उत्तर प्रदेश में अपने पैतृक गांव वापस चला गया। जहां उसकी मुलाकात तीन युवकों से हुई जो, मुंबई में नौकरी ढूंढने के लिए उसकी मदद मांगते थे। इस साल की शुरूआत में वह वापस आया और नौकरी की तलाश मवन जुट गया। नौकरी के बारे में वह अपने दोस्त कुलदीप से बात की थी। जिसमें वह असफल रहा और फिर शुरू कफ दी लूटपाट की घटना।

नीलेश ने पुराने कॉन्टेक्ट का किया इस्तेमाल

पुलिस ने कहा कि नौकरी पाने में असफल होने पर, दोनों लोगों ने स्पा से क्लाइंट डेटाबेस का उपयोग करने की योजना बनाई जो नीलेश के पास मौजूद था। दोनों ने उस लॉज में काम करने वाले सुरेश और सपोनकुमार की मदद ली। जिसके बाद वहां से जबरन वसूली की शुरूवात हुई। एक अधिकारी ने बताया कि लॉज के कर्मचारी होने के नाते, उनकी भूमिका यह सुनिश्चित करना था कि मालिक सहित किसी को भी ऑपरेशन के बारे में पता न चले। इस बीच, कुलदीप और नीलेश ने चीजों को आसान बनाने के लिए लॉज में एक कमरा बुक कर लिया। गांव से बुलाया बेरोजगारों को पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक इस तरह की पहली वसूली में सफल होने के बाद, उन्होंने इसमें मदद करने के लिए नीलेश के गांव के तीन युवकों को बुलाया। वे लॉज के एक कमरे का उपयोग बंद पड़े स्पा में पूर्व ग्राहकों को बुलाकर उनसे उगाही करने के लिए कर रहे थे। एक बार जब ग्राहक सहमत हो जाता है और उक्त कमरे में आता है, तो नीलेश, कुलदीप और अन्य तीन लोग उसके पीछे का दरवाजा बंद कर देते हैं, उसके सिर पर बंदूक रख कर उनके पास मौजूद सारे समान छीन लेते थे। सभी सात लोगों पर धारा 397, 395 (डकैती) और 386 और भारतीय शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

छात्रों को रुलर से मारने, मेज पर खड़ा करने के आरोप में 2 टीचर के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक निजी स्कूल की दो महिला शिक्षकों के खिलाफ कक्षा के दौरान छात्रों को 'स्टील के फुट्टे (रूलर) से मारने और सजा के तौर पर उन्हें मेज पर खड़ा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना पांच जुलाई की है, जब उल्हासनगर के एक स्कूल के पांचवीं कक्षा के करीब 10 छात्रों ने माता-पिता शिक्षक संघ (पीटीए) को देने के लिए 'फीस डिक्लरेशन फॉर्म और कुछ अन्य दस्तावेजों पर अपने अभिभावकों से हस्ताक्षर नहीं करवाए थे। अधिकारी के मुताबिक, इन दो शिक्षिकाओं में से एक ने इन 10 बच्चों के हाथ पर फुट्टे से मारा, जिससे उन्हें चोट आई। अधिकारी के अनुसार, इन बच्चों में से एक के ऑटो-रिक्शा चालक पिता ने

बताया कि उसके बेटे और अन्य बच्चों को शिक्षिका ने कथित तौर पर पीटा, क्योंकि उन्होंने अपने माता-पिता से फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं करवाए थे। छात्र के पिता ने बताया कि छात्रों को कथित तौर पर कक्षा पूरी होने तक मेज पर खड़े रहने के लिए भी कहा गया। उसके अनुसार, दूसरी शिक्षिका ने भी 12 वर्षीय छात्र को कथित तौर पर कक्षा पूरी होने तक हाथ ऊपर करके खड़े रहने को कहा। इस मामले में दर्ज प्राथमिकी में छात्र को सजा क्यों दी गई, उसका उल्लेख नहीं है।

वडाला में मनपा का अगस्त महीने में शुरू होगा स्विमिंग पूल

पहले आओ पहले प्रवेश' के आधार पर होगा ऑनलाइन पंजीकरण

मुंबई : मनपा प्रशासन मुंबई के लोगो का स्वास्थ्य को लेकर विशेष ख्याल रख रही है। नागरिको को योगा से लेकर जॉगिग करने के लिए अच्छे गार्डेन की सुविधा के साथ साथ अब स्विमिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराने पर जोर दे रही है। मनपा का मानना है कि 'तैराकी' एक प्रकार का खेल है, उसी प्रकार यह व्यायाम का भी एक अच्छा रूप है। मनपा के 6 स्विमिंग पुलों में एक और संख्या जुड़ जाएगी। मनपा का वडाला में नया स्विमिंग पुल 1 अगस्त से शुरू हो जाएगा जिसके लिए ऑनलाइन आवेदन मंगाया जा रहा है।

मनपा प्रशासन ने वडाला स्थित फायर स्टेशन में बंद पड़ा स्विमिंग पुल का पुनर्निर्माण किया है. यह स्विमिंग पुल पहले सिर्फ फायर के जवानों के लिए आरक्षित था। मनपा प्रशासन अब इस स्विमिंग पुल का पुनर्निर्माण के बाद आम नागरिकों के लिए भी खोलने का निर्देश मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल और अतिरिक्त आयुक्त (पूर्वी उपनगर) अश्विनी भिड़े ने दिया। मनपा उपायुक्त किशोर गांधी ने बताया है कि कुछ साल पहले बनाया गया यह स्विमिंग पुल पहले केवल फायर ब्रिगेड के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आरक्षित था। यह स्विमिंग पूल 1 अगस्त 2023 से मुंबई के आम जनता के लिए भी खोला जा रहा है और इसके लिए ऑनलाइन सदस्यता और पंजीकरण अब शुरू हो गया है। ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया https://swimmi»»fgpool.mcgm.gov.i»»f पर उपलब्ध है। यह प्रवेश प्रक्रिया पहले आओ, पहले प्राथमिकता'' के आधार पर है।

दनादन बढ़े अरहर दाल के दाम...

एक महीने में भाव में 30 रुपए प्रति किलो का इजाफा, सरकार ने अतिरिक्त स्टॉक रखने पर लगाया प्रतिबंध

मुंबई : एक तरफ जहां टमाटर सहित अन्य सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं तो दूसरी तरफ दाल की कीमतों में लगातार उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले एक माह में अरहर दाल के दाम 30 रुपए प्रति बढ़ गए हैं। जून माह में अरहर दाल का औसत दाम 130 रुपए प्रति किलो के आसपास थे, जो इस माह बढ़कर 160 रुपए किलो के आसपास जा पहुंचा है। इधर दाल की कीमतों को काबू में रखने के लिए केंद्र सरकार ने जीवनावश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3 के अनुसार थोक और फुटकर व्यापारियों, दाल मिल और निर्यातकों के लिए तुअर और उदड़ की दाल के अतिरिक्त स्टॉक पर 31 अक्टूबर तक प्रतिबंध लगा दिया है। खाद्य और नागरिक आपूर्ति तथा ग्राहक संरक्षण विभाग का कहना है कि दाल का अतिरिक्त स्टॉक रखने वाले व्यापारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी

थोक व्यापारी 200 मीट्रिक टन, फुटकर व्यापारी 5 मीट्रिक टन का स्टॉक रख सकेंगे। बिग चेन रिटेलर्स के प्रत्येक आऊटलेट में 5 मीट्रिक टन और डिपो के लिए 200 मीट्रिक टन, दाल मिलों के लिए पिछले तीन महीने का उत्पादन या वार्षिक स्थापित क्षमता का 25 फीसदी में जो ज्यादा होगा, वह स्टॉक लागू होगा। दाल निर्यातक सीमा शुल्क की मंजूरी की दिनांक से 30 दिवस की अधिक अवधि के लिए स्टॉक नहीं रख सकेंगे।

दाल, टमाटर, सब्जियों के दाम तेज होने से आम जनता परेशान हो रही है और उनका बजट बिगड़ रहा है। अरहर दाल हो उड़द दाल हो या मूंग दाल सभी के दाम आसमान छू रहे हैं। बड़े व्यापारी अगर किसी भी माल को एक दिन भी अपने गोदाम में दबाए रखते हैं और उसकी शॉर्टेज बताते हैं तो अगले दिन ही उसके भाव बढ़ने लगते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सरकार ने दाल का अतिरिक्त स्टॉक रखने पर प्रतिबंध लगाया है। देश में अरहर दाल की खपत उत्पादन से ज्यादा है। इसकी भरपाई के लिए अरहर दाल का आयात किया जाता है। देश में हर साल 15 से 16 लाख टन अरहर दाल का आयात किया जाता है। यह दाल म्यांमार और पूर्वी अफ्रीकी देशों से आयात की जाती है।

25 %तक घटेगा एसी चेयरकार और एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया

जिन ट्रेनों में पिछले महीने 50 प्रतिशत सीटें भरीं उनमें लागू होगी रियायती दर

एजेंसी/नई दिल्ली। रेलवे बोर्ड ने एक आदेश में कहा है कि वंदे भारत और अनुभूति तथा विस्टाडोम बोगियों वाली सभी ट्रेन में एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव श्रेणी के किराए में यात्रियों की संख्या के आधार पर 25 फीसदी तक की कटौती की जाएगी। आदेश के मुताबिक, किराए में रियायत परिवहन के प्रतिस्पर्धी माध्यमों के किराए पर भी निर्भर करेगी। रेल सेवाओं के अधिकतम इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए रेल मंत्रालय ने रेलवे मंडलों के प्रधान मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधकों को एसी सीट वाली ट्रेन के किराए में रियायत देने की शक्तियां प्रदान करने का फैसला किया है।

रेलवे बोर्ड के आदेश में कहा गया है, अनुभूति और विस्टाडोम बोगियों समेत एसी सीट वाली सभी ट्रेन की एसी चेयर कार और एग्जीक्यूटिव श्रेणी में यह योजना लागू होगी। इसमें कहा गया है,

रियायत मूल किराए पर अधिकतम 25 प्रतिशत तक हो सकती है। आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट सरचार्ज, जीएसटी जैसे अन्य शुल्क अलग से लिए जा सकते हैं। यात्रियों की संख्या के आधार पर किसी भी श्रेणी या सभी श्रेणियों में रियायत दी जा सकती है।

आदेश में यह भी कहा गया है कि पिछले 30 दिन के दौरान 50 फीसदी से कम यात्रियों वाली श्रेणियों पर विचार किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि किराए में रियायत पर फैसला करते हुए परिवहन के प्रतिस्पर्धी माध्यमों के किराए को ध्यान में रखा जाएगा।

आदेश के अनुसार, रियायत व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू की जाए। पहले से सीट बुक करा चुके यात्रियों को किराया नहीं लौटाया जाएगा। जिन ट्रेन में किसी खास श्रेणी में किराए में वृद्धि-कमी की व्यवस्था लागू होती है और यात्रियों की संख्या कम रहती है, वहां यात्रियों की संख्या बढ़ाने की कवायद के रूप में इस योजना को शुरुआती दौर में वापस लिया जा सकता है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि छुट्टियों या त्योहारों के मौसम में चलाई जाने वाली विशेष ट्रेन पर यह योजना लागू नहीं होगी।

मणिपुर में पुलिस कमांडो के सिर में *गोली लगी, मौत*

बिष्णुपुर बॉर्डर पर फायरिंग, हाईकोर्ट का इंटरनेट से बैन आंशिक रूप से हटाने का आदेश

इंफाल। मणिपुर में बीते 24 घंटें में हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में पुलिस कमांडो समेत 4 लोगों की मौत हो गई। शुक्रवार शाम को बिष्णुपुर जिले के मोइरंग तुरेल में संदिग्ध उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान पुलिस कमांडो पुखरामबम रणबीर के सिर में गोली लग गई। अस्पताल ले जाने के दौरान रास्ते में उन्होंने दम तोड़ दिया।

इसके अलावा शुक्रवार सुबह को ही बिष्णुपुर और चुराचांदपुर जिलों की सीमा पर बसे गांवों में कुकी और मैतेई गुट के लोगों ने एक-दूसरे पर फायरिंग की। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक नाबालिग लड़का भी शामिल था। अधिकारियों के मुताबिक, पहाड़ी इलाकों से आई भीड़ ने घाटी में कुछ गांवों में आग लगाने की कोशिश की।

जुलाई में अब तक हिंसा से 10 लोगों की मौत

मणिपुर हिंसा में जुलाई महीने में अब तक 10 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को हुई 4 मौतों से पहले गुरुवार को एक महिला की हत्या कर दी गई थी। उन्हें इंफाल वेस्ट जिले में एक स्कूल के बाहर गोली मारी गई थी।

राहुल गांधी ने किसानों के साथ धान की रोपाई की

खेतों में ट्रैक्टर चलाया, दिल्ली से शिमला जाते वक्त सोनीपत के मदीना गांव में रुके

सोनीपत। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार सुबह अचानक हरियाणा के सोनीपत में रुके। यहां उन्होंने किसानों के साथ खेतों में धान की रोपाई की। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेत की जुताई भी की। इस दौरान किसानों और खेत मजदूरों के साथ खेती-किसानी पर बातचीत भी की। राहुल ने किसानों के साथ ही बैठकर नाश्ता भी किया।

राहुल गांधी दिल्ली से शिमला जा रहे थे। वे जीटी रोड पर कुंडली बॉर्डर पहुंचे तो किसानों के बीच जाने का प्रोग्राम बना लिया और सोनीपत के ग्रामीण इलाके का रुख कर लिया। राहुल गांधी

NH 48 से मुरथल होते हुए कुराड़ रोड से बाइपास के रास्ते गोहाना की तरफ रवाना हुए। इसके बाद वे अपने रूट से हट कर करीब 50 किलोमीटर दूर बरोदा विधानसभा क्षेत्र के गांव मदीना में सुबह करीब 6:40 बजे पहुंचे गए। वे भैंसवान-मदीना रोड पर संजय के खेत में जा पहुंचे। मदीना गांव में करीब 2 घंटे बाद राहुल गांधी 8.40 बजे पर रवाना हो गए। लौटते समय उन्होंने गोहाना PWD रेस्ट हाउस में ड्रेस चेंज की।

किसी को नहीं थी राहुल गांधी के रुकने की सूचना

राहुल के सोनीपत खेत में रुकने का पता चलते ही बरोदा से कांग्रेस विधायक इंदूराज नरवाल और गोहाना के विधायक जगबीर मलिक भी वहां पहुंचे। नरवाल ने कहा कि उनके पास राहुल के आने की सूचना नहीं थी, लेकिन जैसे ही ग्रामीणों से उनको इस बारे में पता चला तो वे मिलने पहुंच गए।। गोहाना से कांग्रेस विधायक जगबीर मलिक ने कहा कि इलाके का सौभाग्य है कि राहुल गांधी यहां पहुंचे हैं। वह यह देख रहे हैं कि एक गांवों में खेती का क्या तरीका है। किसान किस तरीके से धान लगाता है। इसमें उन्हें क्या परेशानियां आ रही हैं।

स्टॉप डैम से पानी निकासी को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

ग्राम पंचायत आमगांव छोटा एवं उपयंत्री पर कार्रवाई की मांग

गाडरवारा। शुक्रवार को जिला कलेक्टर ऋचु बाफना के क्षेत्र भ्रमण के दौरान कामती के स्वामी वेयर हाउस पहुंचने पर ग्राम पंचायत बरेली एवं ग्राम खैरी के निवासियों ने स्टॉप डेम से जलभराव की समस्या को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन देकर अवगत कराया। जिस पर कलेक्टर ने समस्या हल करने का आश्वासन दिया। सौंपे ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम खैरी, ग्राम पंचायत बरेली, विकासखंड साईंखेड़ा के अंतर्गत आता है। खैरी ग्राम के पास ग्राम पंचायत आमगांव छोटा द्वारा शासकीय नाले पर स्टॉप डैम का निर्माण कार्य वर्ष 2022 में कराया है।

अधिक बारिश होने से नाले में पानी भर जाने से ग्रामीणो, बच्चों, किसानों, मजदूरों का आवागमन बंद हो जाता है एवं कृषि कार्य बंद हो जाते हैं। ग्राम पंचायत आमगांव छोटा ने शासन के नियमों को दरकिनार करते हुए स्वयं की सीमा में निर्माण कार्य न करते हुए ग्राम पंचायत बरेली की सीमा में निर्माण कार्य कराया है, जो कि शासन के नियमों से गलत है। सभी ग्रामवासियों को इस स्टॉप डैम के निर्माण होने के बाद काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के आठ दस परिवार नाले के दूसरी ओर अपने खेतों में निवास करते हैं। नाले में पानी अधिक होने से बच्चे स्कूल तक नहीं जा पाते हैं।

निवेदन है कि हमारी समस्या पर गंभीरता से विचार का निराकरण करने के साथ ग्राम पंचायत आमगांव छोटा एवं उपयंत्री पर ठोस कार्रवाई करने की कृपा करें। ज्ञापन की प्रति अनुविभागीय अधिकारी गाडरवारा एवं सीईओ जिला पंचायत की ओर प्रेषित की गई है। कलेक्टर को ज्ञापन देते समय सुरेंद्र पहारिया, महेंद्र सिंह कौरव, हेमंत कौरव, विवेक कौरव, मणिकांत कौरव, सतीश कौरव, लक्ष्मीनारायण कौरव सहित अनेक ग्रामवासी मौजूद रहे।

परियोजना अधिकारी ने दी एनीमिया

पीलिया की जानकारी वनांचल वासियों से बीमार होने पर झाड़फूंक के बजाय उपचार की अपील

गाडरवारा।

विगत दिवस गोटीटोरिया अंचल में एनीमिया और पीलिया से संबंधित जागरुकता कार्यक्रम के तहत बड़ागांव, मोहपानी, गोटीटोरिया के ग्रामीण जनों को बचाव, उपचार एवं निदान के कारण सहित चीचली महिला बाल विकास परियोजना अधिकारी उमा बर्मन द्वारा समझाया गया। ग्रामीणों को झिरिया का पानी उबालकर पीने के लिए बताया गया एवं क्लोरीन की गोलियां डालकर पानी पीने की सलाह दी गई। सभी को समझाया गया कि गोटीटोरिया उप स्वास्थ्य केंद्र एवं चीचली उप स्वास्थ्य केंद्र में जाकर अपना इलाज कराएं। झाड़-फूंक न कराएं,

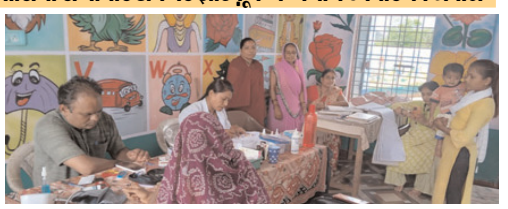

यदि ऐसा करते कोई पाया जाता है तो तत्काल कार्रवाई की जाएगी। सभी ग्रामीण जनों से विशेष अपील की गई कि गांव में जब भी कोई ऐसी बीमारी समझ में आती है तो तत्काल पास के स्वास्थ्य केंद्रों में जाकर के इलाज कराना है, झाड़-फूंक एवं घरेलू उपचार में ज्यादा ध्यान नहीं देना है।

इस कार्यक्रम में पर्यवेक्षक अभिलाषा शर्मा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माया राय, चंद्रप्रभा राय, सावित्री ठाकुर उपस्थित थीं। इस अवसर पर गोटीटोरिया के दोनों आंगनबाड़ी केंद्रों में भी महिलाओं की बैठक लेकर समझाया गया कि जो भी पानी ग्रामीण जन उपयोग कर रहे हैं, उसको छानकर उबालकर व क्लोरीन टेबलेट डालकर ही उपयोग करें और बीमारी से बचाव व निदान के लिए तत्काल संबंधित पास के चिकित्सालय में अपना इलाज कराना सुनिश्चित करें। झाड़-फूंक या अन्य घरेलू उपचार में ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है।

उज्जैन। गुरला गांव में नाबालिक लड़कियों के साथ स्कूल जाते समय लड़कों ने की छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ पुलिस थाना ग्राम जनों ने गिरफ्तारी के लिए उन्हेल थाना में मुकदमा जर्द कराया।

थाना उमरी में रक्षा समिति की बैठक संपन्न

भिंड। ऊमरी थाना प्रभारी रविंद्र शर्मा ने पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, अतिरक्ति पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपूसे, एसडीओपी मुख्यालय अरविंद शाह के निर्देशन में ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों को बुलाकर मीटिंग की मीटिंग में सभी सदस्यों को सक्रिय रहकर कार्य करने पुलिस का सहयोग करने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कानून व्यवस्था संबंधी सूचनाएं थाने तक पहुंचाने सभी सदस्यों से की अपील है।

इस के अलावा ग्राम रक्षा समिति सदस्यों का उमरी में नाईट गश्त, पैदल मार्च में पुलिस के साथ रखकर सहयोग लिया जाएगा ग्राम रक्षा समिति सदस्यों को एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) बना कर पुलिस कार्यों में लिया जायेगा सहयोग इतना ही नहीं त्यौहारों, वीआईपी मूवमेंट,चुनाव

ड्यूटी,गश्त,भ्रमण आदि कार्यो में लिया जायेगा ग्राम रक्षा समिति का सहयोग इस मौके पर थाना प्रभारी उमरी रविंद्र शर्मा,उप निरीक्षक विजय शिवहरे, ग्राम रक्षा समिति कैप्टन सुरेंद्र कुमार ओझा,अनाम दर्शी मसीह, चरण सिंह यादव,सुरेश कुमार दोहरे,जयदेव आर्य, हरिओम सिंह,सुदामा लाल,राजकुमार ओझा,नीरज आदि सम्मिलित हुए ।

संविदा कर्मचारियों ने विधायक डॉ सीतासरन शर्मा जी से मिलकर किया आभार प्रकट

नर्मदापुरम/संवाददाता/। शेख जावेद। आज नर्मदापुरम में माननीय विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा जी से संविदाकर्मियों ने भेंट कर उन्हे नियमितीकरण के लाभ दिए जाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी एवम माननीय विधायक जी के प्रति आभार प्रकट किया।

संविदाकर्मियों ने माननीय विधायक से कहा कि उन्हें निम्न सुविधाएं मिलने से उनके जीवन में खुशियों की बहार आ गई है इस हेतु वह माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति बहुत-बहुत आभार प्रकट करते हैं -

- संविदा कर्मचारियों को उनके पद का 100 प्रतिशत वेतन दिया जाएगा।
- संविदा कर्मचारियों को भी महंगाई भत्ता दिया जाएगा।
- संविदा कर्मचारियों के वार्षिक मूल्यांकन की प्रक्रिया बंद होगी।
- 500000 का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा।
- संविदा कर्मचारियों के रिटायरमेंट पर ग्रेच्युटी दी जाएगी।
- संविदा कर्मचारियों का अलग कैडर बनाया जाएगा ताकि पॉलिसी में प्रॉब्लम ना हो।
- शासकीय कर्मचारियों की नियमित भर्ती में संविदा कर्मचारियों को 20 प्रतिशत की जगह 50त्न कोटा आरक्षण दिया जाएगा।
- अनुकंपा नियुक्ति का लाभ भी दिया जावेगा

पचमढ़ी में 12 अगस्त से 22 अगस्त तक आयोजित होगा नागद्वारी मेला

मेले में सभी व्यवस्थाओं के संबंध में कलेक्टर एवं एसपी ने पचमढ़ी में ली अधिकारियों की बैठक

नर्मदापुरम/संवाददाता/शेख जावेद। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी जिले के हिल स्टेशन पचमढ़ी में नागद्वारी मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष मिला 12 अगस्त से 22 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। साथ ही मेले से जुड़े मंडलों को 7 अगस्त से मेला स्थल पर सामग्री ले जाने की अनुमति रहेगी। मेले के बेहतर आयोजन के संबंध में शनिवार को कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरण सिंह ने संजय गांधी संस्थान पचमढ़ी में अधिकारियों की बैठक ली। क्षेत्र संचालक सतपुडा टाइगर रिजर्व एल कृष्णमूर्ति, जिला पंचायत सीईओ एस एस रावत बैठक में उपस्थित रहें।

बैठक में मेला अवधि के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था, सड़क, बिजली, पेयजल , चिकित्सा आदि व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि पचमढ़ी आने जाने वाले मार्ग और मेला पहुंच मार्ग पर मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम का अमला तैनात रहे। मार्ग क्षतिग्रस्त या लैंडस्लाइड होने की स्थिति में तत्काल मरम्मत की जाएं। पचमढ़ी में निर्धारित चार प्रमुख स्थानों पर क्रेन की व्यवस्था भी रखें। उन्होंने ट्रैफिक और पार्किंग की भी बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश।

उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न ना हो।पुलिस अधीक्षक डॉ सिंह ने कहा कि पचमढ़ी आने वाले बस वाहनों को परिवहन विभाग द्वारा परमिट जारी किया जाए। परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा बेहतर ढंग से समन्वय कर ट्राफिक प्रबंधन किया जाए। प्रत्येक बस की मार्किंग करें। जाम की स्थिति निर्मित ना हो या सुनिश्चित करें। पार्किंग के लिए मेला समिति द्वारा एकजाई टेंडर जारी किया जाए। उन्होंने कहा कि बसों की चेकिंग के लिए मटकुली और पगारा में व्यवस्थित चेकपोस्ट बनाया जाए। जहां सुरक्षा के सभी मानकों पर बसों की चेकिंग हो।इसके अलावा कलेक्टर श्री सिंह ने मेला अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति और निर्धारित प्रमुख स्थानों पर लाइटिंग की भी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग को नागद्वारी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की चिकित्सा सहायता के लिए मेडिकल टीम की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मेला मार्ग में निर्धारित स्थानों पर मेडिकल टीम के कैंप लगाएं जाएं। उन्होंने निर्देशित किया कि मेले के दौरान साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि पचमढ़ी में कंट्रोल रूम का भी संचालन करे जो राऊंड द क्लॉक सक्रिय रहें। आबकारी विभाग को अवैध शराब के विरुद्ध भी निरंतर कार्यवाही करने के दिए।

फालो अप : हेड कॉन्स्टेबल ने फार्म हाउस मालिक की हत्या

भांजे के साथ मिलकर शव जमीन में गाड़ा, 75 करोड़ की जमीन पर बिगड़ी नीयत

शेख जावेद/नर्मदापुरम। रायसेन थाने के हेड कॉन्स्टेबल ने अपने भांजे के साथ मिलकर फार्म हाउस मालिक की हत्या कर दी। रॉड से पीट-पीटकर हत्या के बाद शव खेत में गाड़ दिया। घटना नर्मदापुरम जिला मुख्यालय से 27 किमी दूर सेमरी खुर्द गांव की है। फार्म हाउस मालिक और पेशे से किसान प्रशांत पटेल (45) जून से लापता था। 15वें दिन गुरुवार रात उसका शव उसी के खेत में मिला। आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि हत्या विदिशा में 22 एकड़ जमीन की खरीदी और रजिस्ट्री में नाम जुड़वाने को लेकर हुए विवाद में की गई। जमीन की कीमत 75 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

ASP अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि 22 जून को प्रशांत पटेल की गुमशुदगी डोलरिया थाने में दर्ज कराई गई थी। उसकी तलाश नर्मदापुरम के अलावा भोपाल, हरदा, खंडवा, बैतूल तक में की गई। प्रशांत के मोबाइल की आखिरी लोकेशन भी उसी के खेत की आई थी। 21 जून को प्रशांत के साथ मयंक तिवारी, उसके मामा चेतन पाठक (हैड कॉन्स्टेबल) और पाठक के एक दोस्त को देखा गया था। पुलिस को

मयंक और उसके मामा चेतन पर शक था। 14 दिन में दो बार दोनों से पूछताछ की। दोनों ने अलग-अलग बयान दिए। गुरुवार दोपहर सख्ती की तो दोनों टूट गए और सारी सच्चाई उगल दी

विदिशा के बदमाश ने सिर में रॉड मारी, फिर शव गाड़ा

पुलिस को आरोपियों ने बताया कि 21 जून की शाम प्रशांत घर से अपने फार्म हाउस पर आ गया था। सेमरी खुर्द का ही उसका दोस्त मयंक तिवारी अपने मामा चेतन और संदीप कुशवाहा के साथ फार्म हाउस पहुंचा था। चेतन और संदीप विदिशा के रहने वाले हैं। चारों ने फार्म हाउस में पार्टी की। इसी बीच संदीप ने रॉड उठाकर प्रशांत के सिर पर मार दी। सिर फूटने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। गड्ढा खोदकर शव गाड़ दिया। तीनों इसी रात भोपाल चले आए। सुबह मामा- गांव लौट आए।

पिता ने 22 एकड़ जमीन में बेटे की जगह दूसरे को बनाया हिस्सेदार

ASP ने बताया कि प्रशांत के पिता बसंत पटेल मयंक तिवारी, चेतन पाठक के साथ विदिशा में 22 एकड़ जमीन खरीदने का अनुबंध किया था। अभी रजिस्ट्री नहीं हुई है। अनुबंध में बसंत पटेल ने बेटे प्रशांत का नाम नहीं जोड़ा था। प्रशांत आपत्ति लेता था कि मेरा नाम भी जमीन मालिक के रूप में जोड़ा जाए। मयंक की मां गांव में भैरो बाबा और मां काली का दरबार लगाती है। बसंत पटेल की उनमें आस्था है। उन्होंने उन पर ज्यादा विश्वास करते हुए बेटे प्रशांत का नाम जमीन के मालिक के रूप में शामिल नहीं किया था । मयंक तिवारी को हिस्सेदार बना दिया। प्रशांत इसी बात को लेकर पिता और आरोपियों से विवाद करता था। प्रशांत ने 21 जून को भी मयंक और चेतन से विवाद किया था। यह जमीन मुस्लिम समाज के लोगों की है।

थाने का घेराव, आरोपियों के घर गिराने की मांग

प्रशांत पटेल के शव को पोस्टमॉर्टम के बाद करीब 3 घंटे तक PM रूम में ही रखना पड़ा। प्रशांत पटेल के चाचा और गांव के लोगों ने आरोपियों की गिरफ्तारी और उनके मकान तोड़ने की मांग को लेकर शुक्रवार को थाने का घेराव कर दिया। परिस्थिति को देखते हुए प्रशासन ने शव का पहले अंतिम संस्कार नर्मदापुरम में ही करने का कहा । आखिर में मामला शांत होने पर गांव में ही प्रशांत पटेल के फार्म में ही अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। शाम 4 बजे चिता को आग दी गई।

दो SDOP और पांच थाने की पुलिस पहुंची

ग्रामीणों द्वारा थाने के घेराव और दुकान में तोड़फोड़ करने के बाद बड़ी संख्या में पुलिस बल लगाया गया। सिवनी मालवा SDOP आकांक्षा चतुर्वेदी, SDOP महेंद्र सिंह चौहान, डोलरिया, सिवनी मालवा, शिवपुर, इटारसी, देहात थाना नर्मदापुरम के थाना प्रभारी, लाइन से निरीक्षक और पुलिस बल मौजूद रहा।

आरोपी दो दिन की रिमांड पर

आरोपी मयंक तिवारी और चेतन पाठक को दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया है। मृतक का मोबाइल और लोहे की रॉड बरामद नहीं हुई है। तीसरा आरोपी संदीप भी फरार है। चेतन का नाम बाइक चोरी में आ चुका है। वह पिछले 6 महीने से सस्पेंड चल रहा है।

प्रेम की शादी में काम करेंगे सलमान खान!

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान , निर्देशक सूरज बड़जात्या की फिल्म प्रेम की शादी में काम करते नजर आ सकते हैं। सलमान खान ने सूरज बड़जात्या की फिल्म मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन, हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पाया में काम किया है। चर्चा है कि सलमान खान एक बार फिर से सूरज बड़जात्या की फिल्म में काम करने जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि अगस्त महीने में सलमान, सूरज बड़जात्या की फिल्म 'प्रेम की शादी' की शूटिंग शुरू करेंगे। बताया जा रहा है कि सलमान खान को इस फिल्म का कॉन्सेप्ट वर्ष 2020 में सुनाया गया था, जो उन्हें बहुत पसंद आया था। 'प्रेम की शादी' की कहानी नए जमाने के न्यूक्लियर फैमिली के इर्द-गिर्द घूमती है। यदि सबकुछ सही रहा तो 'प्रेम की शादी' अगले साल दीवाली के मौके पर रिलीज होगी।

विद्या बालन की सीनियर थीं शिल्पा शेट्टी

अभिनेत्री विद्या बालन ने लंबे समय के बाद फिल्मों में वापसी कर ली है। इन दिनों अभिनेत्री अपनी हालिया रिलीज क्राइम थ्रिलर फिल्म 'नीयत' को लेकर चर्चा में चल रही हैं। फिल्म को फैंस की मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ठीक ठाक कमाई करने में कामयाब हो रही है। अब हाल ही में अभिनेत्री ने स्कूल के दिनों को याद किया और बताया कि शिल्पा शेट्टी स्कूल में उनकी सीनियर थीं और उन्हें बास्केटबॉल सिखाया था और मलाइका अरोड़ा उनकी गली में फ्रेंच ट्यूशन पढ़ने जाती थी ।

हाल ही में एक इंटरव्यू में विद्या ने चेंबूर में अपने जीवन के बारे में बात की,जहां उन्होंने 31 साल बिताए। अभिनेत्री ने खुलासा किया कि कैसे उन्होंने सेंट एंथोनी गर्ल्स हाई स्कूल में पढ़ाई की, जहां शिल्पा उनसे तीन साल सीनियर थीं। अभिनेत्री ने कहा,'शिल्पा शेट्टी मुझसे कुछ साल सीनियर थीं। वह हमेशा आकर्षक थी। मुझे याद है कि वह भी एक बास्केटबॉल खिलाड़ी थी और मेरी मां ने एक दिन फैसला किया कि मुझे बास्केटबॉल खेलना चाहिए।'

विद्या ने आगे कहा, 'मेरी मां ने सुबह छह बजे मुझे बास्केटबॉल खेलने के लिए भेज दिया था। वह बहुत प्यारी थीं। मैं कभी नहीं भूलूंगी कि उन्होंने मुझे बॉल को ड्रिबल करना सिखाया था। मैंने सोचा कि अब मुझे सब कुछ पता है और मैंने अपनी मां से कहा कि मैंने सीख लिया है। मुझे कल से सुबह जल्दी नहीं जाना है।'

इंटरव्यू में विद्या ने मलाइका के बारे में भी बात की और कहा कि जब वह अपनी क्लास के लिए उनके घर के पास से गुजरती थीं तो सभी लड़के उनका इंतजार कर रहे होते थे। मलाइका जब वहां से गुजरती तो सभी लड़के बाहर बैठे होते थे और मलाइका के पास होने का इंतजार करते थे। चेंबूर ने बहुत सारी आकर्षक लड़कियां पैदा की हैं।

फ्लॉप फिल्मों पर ईशान खट्टर ने तोड़ी चुप्पी

ईशान खट्टर ने 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' और 'धड़क' जैसी फिल्मों के साथ बॉलीवुड में अच्छी शुरुआत की। मगर, इसके बाद बॉक्स ऑफिस पर उनकी फिल्में दम दिखाती नजर नहीं आ रही हैं। उनकी पिछली रिलीज दो फिल्में 'खाली पीली' और 'फोन भूत' दर्शकों को आकर्षित करने में नाकामयाब साबित हुईं। हाल ही में इस बारे में ईशान खट्टर ने चुप्पी तोड़ी है।

ईशान खट्टर कैरियर में आने वाले उतार-चढ़ावों से निराश होने वालों में से नहीं हैं। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि किसी को असफलता के बाद सफलता तक पहुंचना होता है और आगे बढ़ना होता है। ईशान ने आगे कहा कि वह अपनी फिल्मों में लगातार सुधार करने पर ध्यान देते हैं और इसके अलावा अच्छी स्क्रिप्ट में पूरे इमोशंस डालने की भी कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि वह यह दावा भी नहीं करेंगे कि उनके फिल्मों के चयन ने उन्हें एक अभिनेता के रूप में बेहतर बनाया है, क्योंकि यह दर्शक तय करते हैं। ईशान का कहना है कि उन्हें हर बार वहीं से शुरू करना होगा, जहां उन्होंने छोड़ा था और हर बार सुधार के साथ आगे बढ़ना होगा।

ईशान के वर्क फ्रंट की बात करें तो जल्द ही वह फिल्म 'पिप्पा' में नजर आएंगे। इस फिल्म में वह मृणाल ठाकुर के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। यह फिल्म पहले बीते वर्ष दिसंबर में रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर इसे पोस्टपोन कर दिया गया। हालांकि, अभी तक इसकी नई रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है। ईशान की 'पिप्पा' वॉर फिल्म है, जिसकी कहानी 1971 में भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध पर आधारित बताई जा रही है।

रविन्द्रनाथ टैगोर की भूमिका निभाएंगे अनुपम खेर

मशहूर अभिनेता अनुपम खेर अपनी आने वाली फिल्म में रविन्द्रनाथ टैगोर का किरदार निभाते हुए नजर आयेंगे। अभिनेता खेर, 'द कश्मीरी फाइल्स' जैसी मशहूर हिट फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। उन्हें अपनी आने वाली फिल्म में रवींद्रनाथ टैगोर की मुख्य भूमिका निभाने का मौका मिला है। अभिनेता खेर ने शुक्रवार को अपने इंस्ट्राग्राम पर फिल्म से संबंधित अपने पहले लुक को साझा किया। उन्होंने लिखा, "मैं गुरुदेव का किरदार निभाने का अवसर पाकर बहुत खुश हूं। मैं इस फिल्म में अभिनय कर अपने आप को बहुत भाग्यशाली मानता हूं।"

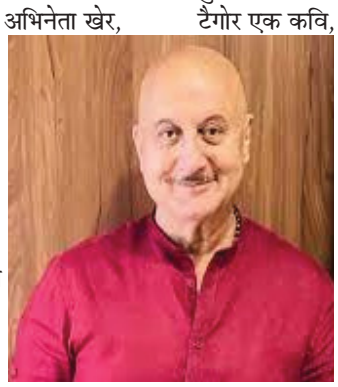

गुरुदेव के नाम से लोकप्रिय रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, दार्शनिक और निबंधकार थे। गुरुदेव को भारत और बंगलादेश का राष्ट्रगान लिखने के लिए भी जाना जाता है। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म अभिनेता खेर की 538वीं फिल्म है। अभिनेता अनुपम खेर ने जब अपना पहला लुक साझा किया तो उन्हें कई लोगों की अच्छी टिप्पणियां मिलीं, जिससे उनका अपनी आने वाली फिल्म में रविन्द्रनाथ टैगौर की भूमिका निभाने के लिए आत्मविश्वास बढ़ा है।

'अनुपमा' का प्यार चढ़ा परवान

मानसून का मौसम कई लोगों का फेवरेट होता है। 'अनुपमा' फेम रुपाली गांगुली भी उन्हीं में से एक हैं। रुपाली को बारिश से बहुत प्यार है और इस मौसम में उन्होंने अपने पति अश्विन के वर्मा के साथ मुंबई की सड़कों पर रोमांस किया। रुपाली गांगुली ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया है। वीडियो में रुपाली को अपने पति अश्विन के साथ बारिश में रोमांस करते हुए देखा गया। एक्ट्रेस बारिश में मस्ती करती हुई दिखाई दे रही हैं और उनके पति छाता लेकर खड़े हैं और अपनी लेडी लव को भीगने से बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

वीडियो के बैकग्राउंड में किशोर कुमार का गाना 'रिमझिम गिरे सावन' बज रहा है, जो उनके रोमांटिक मोमेंट में चार-चांद लगा रहा है। इस दौरान रुपाली गांगुली ग्रीन और पिंक कलर की ड्रेस में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। वहीं, ब्लूट शर्ट और ग्रे लोअर में अश्विन नजर आ रहे हैं। इस रील के साथ रुपाली ने कैप्शन में लिखा, रुपाली और अश्विन का ये वीडियो उनके चाहने वालों को खूब पसंद आ रहा है। एक यूजर ने दोनों को 'मानसून सीजन के सबसे रोमांटिक कपल' का टैग दिया। तो वहीं कई लोगों ने इस रील को 'खूबसूरत' बताया। कुछ लोगों ने उन्हें 'रियल अनुपमा अनुज' भी कहा है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com .